PCS (J) 2011 Mains

No. of Printed Pages : 2

MCD-01

2011

अद्यतन ज्ञान

THE PRESENT DAY

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 150*

Time allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 150***

*नोट : (i) अभ्यर्थी सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें ।*

*(ii) **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

Notes : *(i) Candidates should attempt all the **five** questions.*

*(ii) **All** questions carry equal marks.*

1. (क) भारत के संविधान के अंतर्गत प्रेस की 'स्वतन्त्रता के अधिकार' की प्रकृति और क्षेत्र की विनिश्चित वादों की सहायता से व्याख्या कीजिये ।

(ख) 'शिक्षा के अधिकार' के उद्‌गम और विकास की भारत के संविधान के उपबन्धों के हवाले से विवेचना कीजिये ।

(a) Explain the nature and scope of 'Right to Freedom of Press' under the Constitution of India with the help of decided cases.

(b) Discuss origin and development of 'Right to Education' with reference to the provisions of the Constitution of India.

2. (क) भारत में अपने कर्मचारियों द्वारा किये गये सदोष कार्य के लिए राज्य के वर्तमान दायित्व की विवेचना कीजिये । संविधान के सुसंगत उपबन्धों तथा वादजनित विधि का उल्लेख कीजिए ।

(ख) एक उपक्रम, जो अन्तर्निहितत: खतरनाक और परिसंकटमय क्रिया कलाप का वहन करते हुए पर्यावरण को पतित करता है और मनुष्य के जीवन व स्वास्थ्य को नुकसान कारित करता है, के दायित्व की व्याख्या कीजिये ।

(a) Discuss the present day liability of the State in India for the wrongs committed by its servants. Refer to relevant provisions of the Constitution and case law.

(b) Explain the liability of an enterprise causing environmental degeneration and harm to human life and health by carrying out inherently dangerous and hazardous activity.

3. (क) वर्तमान समय में मृत्युदण्ड को संविधि ग्रंथ पर बनाये रखने की आवश्यकता पर विधिशास्त्रीय लेख लिखिये ।

(ख) सौदा अभिवाक् (प्ली बारगेनिंग) का तर्काधार क्या है ? दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 में सम्मिलित नए उपबन्धों के सन्दर्भ से विवेचना कीजिये ।

(a) Write a jurisprudential essay on the need to retain death sentence on statute book in the present time.

(b) What is the rationale of plea bargaining ? Discuss with reference to the new provisions included in the Code of Criminal Procedure, 1973.

4. (क) आधुनिक युग में अन्तर्राष्ट्रीय विधि की प्रभावकारिता का विश्लेषण कीजिये ।

(ख) संधि-पत्रों की अन्तर्राष्ट्रीय विधि के स्रोत के रूप में विवेचना कीजिये ।

(a) Analyse the effectiveness of International Law in the modern age.

(b) Discuss treaties as source of international law.

5. (क) अन्तर्राष्ट्रीय विधि के सन्दर्भ में 'हस्तक्षेप' की परिभाषा के सारभूत लक्षणों की विवेचना कीजिये ।

(ख) विराष्ट्रिकता पर एक वर्णनात्मक टिप्पणी लिखिये ।

(a) Discuss the essentials of the definition of 'intervention' in the context of international law.

(b) Write a descriptive note on statelessness.

No. of Printed Pages : 3

MCD-02

2011

भाषा

LANGUAGE

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 100*

Time allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 100***

भाग–1
PART–1
(English Language)

1. Translate into the ordinary language spoken in the courts using Devanagri Script : **30**

The soul of democratic legality is its social dimension best expressed in the words of Julius Stone as Human Law and Human Justice. The expression of the goals of legal justice adopted by a community, based on its historical, social, economic and cultural conditions, and the strategies whereby its value judgements are accomplished, constitute its jural postulates and processes. Law is a normative and regulatory system and mechanism as a means towards social justice. Law ways must lead to orderly progress of the nation if functional justification and social validation must be found for their observance. In sum, Law India fulfils itself only when the spirit of change and the spirit of conservation march in step. Aware Lawmen are architects, engineers, statesmen and synthesists, not prisoners of stare decisis, not robed men who go-it-alone, not trained machinists in litigative techniques or text book teaching. They are the avant garde giving pragmatic shape to 'the felt necessities of the time, the prevalent moral and political theories and institutions of public policy.' They draft, interpret and implement statutes in such manner that rapid evolution keeping pace with the mores of the community is organized through socially purposeful normative prescriptions. Lawyers and legislators will do well to realize that our ethos is a precious testament of the past but our nation will break to pieces if we do not break with the unjust part of the past. Mere change without conservation may lose our identifiable entity and end up as a disastrous carbon copy of foreign systems. Mere conservation without change cannot conserve, since the flux of the world around and massive hunger for the good life compel radical readjustment as the price of peaceful continuance. My thesis is that if Law is to living, creative innovations and dynamic synthesis are essential to the rule of law and constitutional order. This is not jural rhetoric nor legal romantics but simple realism and communal sensitivity. The call to lawyers-an expression which must include law-makers and implementers, not merely the Bench and the Bar-must necessarily be to modernize legal technology fertilized by ongoing social interaction, to work out original legal models and to produce viable principles which will clothe with flesh and blood, Article 38 of the Constitution which reads :

"The State shall strive to promote the welfare of the people by securing and protecting as effectively as it may a social order in which justice, social, economic and political, shall inform all the institutions of the national life."

भाग-2
PART–2
(Hindi Passage)

2. Translate the following Hindi passage into ordinary English Language : **30**

ऐसी महिलाओं के, जो कुटुंब के भीतर होने वाली किसी किस्म की हिंसा से पीड़ित हैं, संविधान के अधीन प्रत्याभूत अधिकारों के अधिक प्रभावी संरक्षण और उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने के लिए भारत की संसद ने 'घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005' पारित किया ।

इस अधिनियम में घरेलू हिंसा को विस्तृत रूप में परिभाषित किया गया है, जिसके अन्तर्गत प्रत्यर्थी का कोई कार्य, लोप या कुछ करना या आचरण, घरेलू हिंसा गठित करेगा यदि वह व्यथित व्यक्ति के स्वास्थ्य, सुरक्षा, जीवन, अंग की या चाहे उसकी मानसिक या शारीरिक भलाई की अपहानि करता है, या उसे कोई क्षति पहुँचाता है या उसे संकटापन्न करता है या उसकी ऐसा करने की प्रवृत्ति है और जिसके अंतर्गत शारीरिक दुरुपयोग, लैंगिक दुरुपयोग, मौखिक और भावनात्मक दुरुपयोग और आर्थिक दुरुपयोग कारित करना भी है । इसके अंतर्गत प्रत्यर्थी का वह आचरण भी सम्मिलित है जिसके द्वारा वह किसी दहेज या अन्य संपत्ति या मूल्यवान प्रतिभूति के लिए किसी विधि विरुद्ध माँग की पूर्ति के लिए उसे या उससे संबंधित किसी अन्य व्यक्ति को प्रपीड़ित करने की दृष्टि से व्यथित व्यक्ति का उत्पीड़न करता है या उसकी अपहानि करता है या उसे क्षति पहुँचाता है या संकटापन्न करता है । व्यथित व्यक्ति को अन्यथा क्षति पहुँचाना या उत्पीड़न करना, चाहे वह शारीरिक हो अथवा मानसिक भी इसमें शामिल हैं ।

संरक्षण अधिकारी इस अधिनियम की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है । यह धारा 8 की उपधारा (1) के अधीन राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारी होता है । यह किसी मजिस्ट्रेट को, इस अधिनियम के अधीन उसके कृत्यों के निर्वहन में सहायता करता है । इसके कर्त्तव्यों में शामिल हैं किसी मजिस्ट्रेट को, किसी घरेलू हिंसा की शिकायत की प्राप्ति पर और उस पुलिस थाने के भारसाधक पुलिस अधिकारी को उसकी प्रतियाँ अग्रेषित करके, जिसकी अधिकारिता की स्थानीय सीमा के भीतर घरेलू हिंसा का होना अभिकथित किया गया है और उस क्षेत्र की सेवा प्रदाताओं को उसकी प्रतियाँ अग्रेषित करके, किसी घरेलू घटना की रिपोर्ट ऐसे प्रारूप में और ऐसी रीति में जो विहित की जाए । यदि व्यथित व्यक्ति किसी संरक्षण आदेश के जारी करने के लिए, अनुतोष का दावा करने की वांछा करता हो, तो ऐसे प्रारूप और ऐसी रीति में जो विहित की जाएँ, मजिस्ट्रेट को आवेदन करना भी संरक्षण अधिकारी का कर्त्तव्य है ।

सेवा प्रदाता भी इस अधिनियम के अन्तर्गत महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है । ऐसे नियमों के अधीन रहते हुए जो इस निमित्त बनाए जाएँ, सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) के अधीन पंजीकृत कोई स्वैच्छिक संगम या कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन पंजीकृत कोई कम्पनी, जिसका उद्देश्य किसी विधिपूर्ण साधन द्वारा, महिलाओं के अधिकारों और हितों का संरक्षण करना है, जिसके अन्तर्गत विधिक सहायता, चिकित्सीय सहायता या अन्य सहायता उपलब्ध कराना भी है, स्वयं को इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए एक सेवा प्रदाता के रूप में राज्य सरकार के पास रजिस्टर कराएगी । इस अधिनियम के अधीन, घरेलू हिंसा के निवारण हेतु शक्तियों के या कृत्यों के निर्वहन में, सद्भावपूर्वक की गई या की जाने के लिए आशयित किसी बात के लिए कोई भी वाद, अभियोजन या अन्य विधिक कार्यवाही, किसी सेवा प्रदाता या सेवा प्रदाता के किसी सदस्य के, जो इस अधिनियम के अधीन कार्य कर रहा है या करने वाला समझा जाता है या करने के लिए तात्पर्यित है, विरुद्ध न होगी ।

इस अधिनियम के अन्तर्गत साझी गृहस्थी में निवास करने का अधिकार; संरक्षण आदेश, धनीय अनुतोष, अभिरक्षा आदेश, प्रतिकर आदेश, एवं अन्तरिम और एक पक्षीय आदेश देने की शक्ति आदि प्रावधान निसंदेह एक क्रान्तिकारी कदम है ।

भाग–3
PART–3

3. Write a précis in English of the following passage : **40**

The ideal of the Indian race is freedom of the soul. This world is nothing. It is a vision, a dream. This life is one of many millions like it. The whole of this nature is Maya, is phantasm, a pest house of phantasms. That is the philosophy. Babies smile at life and think it so beautiful and good, but in a few years they will have to revert to where they began. They began life crying, and they will leave it crying. Nations in the vigour of their youth think that they can do anything and everything : "We are the Gods of the earth. We are the chosen people." They think that God Almighty has given them a charter to rule over all the world, to advance His plans, to do anything they like, to turn the world upside down. They have a charter to rob, murder, kill; God has given them this, and they do that because they are only babes. So empire after empire has arisen-glorious, resplendent-now vanished away-gone, nobody knows where; it may have been stupendous in its ruin.

As a drop of water upon a lotus leaf tumbles about and falls in a moment, even so is this mortal life. Everywhere we turn are ruins. Where the forest stands today was once the mighty empire with huge cities. That is dominant idea, the tone, the colour of the Indian mind. We know, you Western people have the youthful blood coursing through your veins. We know that nations, like men, have their day. Where is Greece ? Where is Rome ? Where that mighty Spaniard of the other day ? Who knows through it all what becomes of India ? Thus they are born, and thus they die; they rise and fall. The Hindu as a child knows of the Mogul invader whose cohorts no power on earth could stop, who has left in your language the terrible word "Tartar". The Hindu has learnt his lesson. He does not want to prattle, like the babes of today. Western people, say what you have to say. This is your day. Onward, go on, babes; have your prattle out. This is the day of the babies, to prattle. We have learnt our lesson and are quiet. You have a little wealth today, and you look down upon us. Well, this is your day. Prattle, babes, prattle-this is the Hindu's attitude.

No. of Printed Pages : 4

MCD-03

2011

विधि-I

(अधिष्ठापक विधि)

LAW-I

(Substantive Law)

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 200*

Time allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 200***

नोट : *अभ्यर्थियों को प्रश्न संख्या 1 एवं 2 करना अनिवार्य है तथा अन्य कोई **चार** प्रश्न हल करने हैं । कुल **छह** प्रश्न हल करने हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।*

Notes : *Candidates should attempt question nos. 1 and 2 as compulsory and not more than **four** of the remaining ones. Total **six** questions are to be attempted. Marks carried by each question are indicated at its end.*

1. (अ) मुस्लिम विधि में एक विधि मान्य अभिस्वीकृति के आवश्यक तत्त्वों की व्याख्या कीजिए । अभिस्वीकृति के विधिक प्रभाव क्या होते हैं ? विवेचना कीजिए । **20**

   (ब) निम्नलिखित विवाहों की विवेचना कीजिए :

   (i) एक मुसलमान व्यक्ति खुले समुद्र में हज यात्रा के दौरान एक मुस्लिम लड़की से विवाह करता है । **10**

   (ii) एक मुस्लिम लड़की एक मूर्ति पूजक पुरुष से विवाह करती है । **10**

   (a) Explain the essential conditions of valid acknowledgement under Muslim Law. What are the legal effects of acknowledgement ? Elucidate.

   (b) Discuss the validity of following marriages :

   (i) A Muslim male marries a Muslim girl on high seas during Hajja Journey.

   (ii) A Muslim girl marries an idolater (Idolworshipper) .

2. (अ) आगमी तथा निर्गामी साझेदार से आप क्या समझते हैं ? निर्गामी साझेदार के अधिकार तथा दायित्वों की व्याख्या कीजिए । **15**

   (ब) साझेदार के विवक्षित अधिकारों पर लगाये गये संविदात्मक तथा वैधानिक प्रतिबन्धों की व्याख्या कीजिए । **15**

   (स) साझेदारी फर्म की सम्पत्ति क्या है ? क्या फर्म का कीर्तिस्व सम्पत्ति है ? विवेचना करें । **10**

   (a) What do you understand by incoming and outgoing partner ? Discuss the rights and liabilities of outgoing partner.

   (b) Discuss the contractual and statutory restrictions imposed on implied authority of a partner.

   (c) What is the property of partnership firm ? Whether goodwill of a firm is property. Elucidate.

3. (अ) "सुखाधिकार" की परिभाषा दीजिए । इसके आवश्यक घटकों की विवेचना कीजिए । सुखाधिकार तथा अनुज्ञप्ति में विभेद कीजिए । 15

(ब) व्याख्या कीजिए :

(i) अनुज्ञप्ति कब अन्तरित की जा सकती है ? 8

(ii) अनुज्ञप्ति को कब प्रतिसंहृत हुआ समझा जाएगा ? 7

(a) Define "easement". Explain its essential elements. Distinguish between easement and licence.

(b) Explain :

(i) When a licence can be transferred ?

(ii) When a licence is deemed to be revoked ?

4. (अ) "सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम की धारा 53-क एक ढाल है, तलवार नहीं है ।" टिप्पणी कीजिए । 15

(ब) "सम्पत्ति की अन्तरणीयता एक सामान्य नियम है, इसकी अ-अन्तरणीयता एक अपवाद है ।" उपरोक्त कथन की व्याख्या कीजिए । 15

(a) "Sec 53-A of the Transfer of Property Act is a shield not a sword." Comment.

(b) "Transferability of the property is the general rule, its non-transferability is an exception." Explain the above statement.

5. (अ) हेडले बनाम बैक्सेनडेल [(1854) 9 एक्स 341] में प्रतिपादित एवं भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 की धारा 73 में समाविष्ट क्षति-पूर्ति की दूरस्थता के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए । 15

(ब) परिनिर्धारित नुकसानी एवं अर्थदण्ड में अन्तर स्पष्ट कीजिए । इस सम्बन्ध में अंग्रेजी विधि और भारतीय विधि में अन्तर स्पष्ट कीजिए । 15

(a) Discuss the principle of remoteness of damages as laid down in Hadley Vs. Baxendale [(1854) 9 Exch. 341] and as contained in Sec. 73 of the Indian Contract Act, 1872.

(b) Distinguish between liquidated damages and penalty. Point out the difference between English Law and Indian Law in this regard.

6. (अ) "न्यास, न्यासधारी के अभाव में कभी असफल नहीं होता ।" इस कथन का परीक्षण कीजिए और प्रदर्शित कीजिए कि इस अभाव की पूर्ति कैसे होती है । 15

(ब) साम्या की परिभाषा दीजिये । साम्या के उन अधिकार-क्षेत्रों का वर्णन कीजिये जिनको अनन्य, समवर्ती तथा सहायक क्षेत्राधिकार कहा जाता है । 15

(a) "A trust never fails for want of a trustee." Examine this statement and show how this gap is fulfilled.

(b) Define equity. Explain equity jurisdiction known as exclusive, concurrent and auxiliary.

7. (अ) उन शर्तों का उल्लेख कीजिये जिसके आधार पर हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 (यथासंशोधित) के अन्तर्गत न्यायिक पृथक्करण की आज्ञप्ति प्राप्त की जा सकती है । न्यायिक पृथक्करण की आज्ञप्ति विवाह-विच्छेद की आज्ञप्ति से किस प्रकार भिन्न है ? **15**

(ब) निम्नलिखित मामलों में कारण सहित दत्तक की विधि मान्यता बताइये :

(i) 'ब' एक नि:संतान हिन्दू पुरुष, एक पुत्र 'स' तथा एक पुत्री 'द' को उसी दिन दत्तक लेता है । **5**

(ii) 'फ' एक हिन्दू महिला, एक विवाहित लड़के 'ब' को दत्तक लेती है, जिसकी आयु 20 वर्ष है । **5**

(iii) 'म' एक हिन्दू पुरुष, एक बालक 'च' को, जो परित्यक्त मिला था, पालता है तथा अपनी स्वेच्छा से दत्तक देता है । **5**

(a) Enumerate the grounds on which a decree for judicial separation may be obtained under Hindu Marriage Act, 1955 as amended upto-date. How does a decree for judicial separation differ from that of a decree of divorce ?

(b) Discuss with reasons the validity of adoption in following cases :

(i) 'B' an issueless male Hindu adopts a son 'S' and also a daughter 'D' on the same day.

(ii) 'F', a female Hindu adopts a married boy 'B' of twenty years age.

(iii) 'M', a male Hindu rears a child 'C', who was found abandoned and gives away the child in adoption at his volition.

8. (अ) संविदा-कल्प क्या है ? कितने प्रकार के संविदा-कल्पों को भारतीय विधि में मान्यता दी गई है ? उदाहरण सहित समझाइये । **15**

(ब) किन संविदाओं का विनिर्दिष्ट अनुपालन विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 के अन्तर्गत कराया जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए । **15**

(a) What is quasi-contract ? What kinds of quasi-contracts have been recognized in Indian Law ? Explain with illustrations.

(b) Which contract can be specifically enforced under The Specific Relief Act, 1963 ? Explain.

9. (अ) इस कथन की विवेचना कीजिए कि 'विधि में घटना के सीधे अथवा समीप के, न कि दूर के कारण को देखा जाता है' । **15**

(ब) निम्नलिखित समस्याओं में निर्णय दीजिए :

(i) अ, ब को भूख से मरते देखता है और भोजन नहीं देता है, बल्कि माँगने पर भी भोजन नहीं देता है । क्या इस व्यवहार के लिए अ, ब के प्रति अपकृत्य में उत्तरदायी है ? **8**

(ii) एक गधा जिसके पैर बाँध दिये गये हैं, सड़क पर छोड़ दिया गया है । एक स्कूटर उससे टकरा जाता है और गधे को घायल कर देता है । क्या गधे का स्वामी स्कूटर चालक से क्षतिपूर्ति प्राप्त कर सकता है ? 7

(a) Discuss the statement that 'In law the immediate or proximate, not the remote cause of any event is taken into account'.

(b) Decide the following problems :

(i) A sees B starving and omits and even refuses to give him food on demand. Will A be liable in tort to B for such conduct ?

(ii) A donkey is left on the road with its legs tied. A scooter runs over and injures it. Can the owner of the donkey recover damages from the scooter driver ?

10. (अ) हिन्दू विधि किन लोगों पर प्रवर्तित होती है ? संपरिवर्तन और प्रति सम्परिवर्तन द्वारा हिन्दू धर्म स्वीकार करने वालों की स्थिति की विशिष्टतय: व्याख्या करें । 10

(ब) 'अव्यावहारिक ऋण' की व्याख्या कीजिए । एक हिन्दू पुत्र अपने पिता के अव्यावहारिक ऋण के भुगतान के लिए किन दशाओं में बाध्य है ? 10

(स) सहदायिकी सम्पत्ति के अन्य संक्रामण के विषय पर कर्त्ता और पिता की शक्तियों में क्या अंतर है ? 10

(a) To whom does Hindu Law apply ? Explain specially the position of the converts and reconverts to Hinduism.

(b) Discuss 'Avyavaharik debt'. Under what circumstances a Hindu son is bound to pay his father's Avyavaharik debts ?

(c) What is the difference between the powers of a karta and a father in respect of the alienation of the coparcenary property ?

No. of Printed Pages : 4

MCD-04

2011

विधि-II

साक्ष्य एवं प्रक्रिया

LAW Paper-II

(EVIDENCE AND PROCEDURE)

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 200*

Time allowed : Three Hours] *[Maximum Marks : 200*

नोट : *(i) परीक्षार्थी को प्रश्न क्रमांक 1 और **चार** अन्य प्रश्न करने हैं । प्रत्येक खण्ड से **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है । कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के सामने दिये गये हैं । हालाँकि **सभी** प्रश्नों के समान अंक हैं ।*

Notes : *(i) Candidate should attempt Question No. **one** and **four** more. At least **one** question must be attempted from each section. In all **five** questions are to be answered.*

*(ii) Marks carried by each question have been indicated against the question. However, **all** questions carry equal marks.*

1. (अ) A ने B के साथ रूड़की में हिन्दू विधि से विवाह किया । विवाह के समय A विधुर था किन्तु उसने इस तथ्य को B को उजागर नहीं किया । B अब हिन्दू विवाह अधिनियम की धारा 12(1)(c) के अंतर्गत याचिका दायर करना चाहती है । याचिका तथा शपथ पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **30**

(ब) उपर्युक्त प्रश्न की याचिका के उत्तर में प्रतिवादी की ओर से लिखित कथन का प्रारूप लिखिए । **10**

(a) A got married to B in Roorkee as per Hindu law. A was a widower at the time of marriage but he did not disclose this fact to B. Now B wants to file a petition under Section 12(1)(c) of the Hindu Marriage Act. Draft a petition along with affidavits.

(b) Draft a written statement in reply to the above petition.

अथवा/OR

एक अभियुक्त को उपयुक्त आरोप लगाकर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376 (बलात्कार) के अधीन अपराध के आधार पर दोष सिद्ध करते हुए एक निर्णय लिखिए । **40**

Write a judgment convicting the accused under Section 376 (Rape) of Indian Penal Code after framing appropriate charge for the offence.

खण्ड – अ

SECTION – A

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** के उत्तर लिखिए :

(क) वादपत्र की अस्वीकृति के आधार

(ख) प्राङ्‌न्याय या पूर्वन्याय (Res Judicata) और न्यायाधीन विषय (Res Subjudice) में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(ग) विदेशी निर्णय कब आबद्धकर नहीं है ?

(घ) मुजरा और प्रतिदावा में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियों की परिव्याप्ति और परिसीमाओं को स्पष्ट कीजिए । **40**

Attempt any **four** of the following :

(a) Grounds for rejection of a plaint

(b) Distinguish between Res Judicata and Res Subjudice

(c) When foreign judgment is not binding ?

(d) Distinguish between set off and counter claim

(e) Explain the scope and limitations on inherent powers of the court.

3. (अ) अभिवचनों (Pleadings) में संशोधन हेतु अर्जी मंजूर करते या अस्वीकृत करते समय न्यायालय को क्या–क्या विचार करने पड़ते हैं ? **20**

(ब) "आदेश 39 के तहत व्यादेश मंजूर करने की शक्ति असाधारण स्वरूप की होती है तथा इसका प्रयोग सम्यक न्यायिक सिद्धांतों के अनुसार करना होगा ।" निहित सिद्धान्तों को स्पष्ट कीजिए । **20**

(a) What are the considerations that the civil courts keep in mind while granting or rejecting an application for amendment of pleadings ?

(b) "Power to grant injunction under O.39 is extraordinary in nature and it must be exercised in accordance with sound judicial principles." Explain the principles involved.

4. (अ) अधिकारिता का प्रयोग करने के लिए सिविल न्यायालय हेतु आवश्यक शर्तों को स्पष्ट कीजिए । **20**

(ब) A ₹ 60,000 B को उधार देता है । वाद को न्यायालय X की अधिकारिता के अन्दर लाने के लिए A, B के विरुद्ध केवल ₹ 50,000 का वाद चलाता है तथा डिक्री प्राप्त कर लेता है । A ₹ 10,000 की शेष राशि के लिए न्यायालय X में दूसरा वाद लाता है । B आपत्ति दर्ज करता है । सी.पी.सी. के सुसंगत उपबंध को ध्यान में रखते हुए विनिश्चय कीजिए । **20**

(a) Explain the conditions necessary for a civil court to exercise jurisdiction.

(b) 'A' advances loan of ₹ 60,000 to 'B'. To bring the suit within the jurisdiction of court 'X', 'A' sues 'B' for ₹ 50,000 only and obtains a decree. Later on 'A' files a second suit for the balance of ₹ 10,000 in court 'X'. 'B' raises an objection. Decide in the light of relevant provision of C. P. Code.

5. (अ) एक साधारण वाद और संक्षिप्त वाद के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए । उन आधारों को स्पष्ट कीजिए जिन पर संक्षिप्त वाद में न्यायालय द्वारा प्रतिवाद करने की इजाजत मंजूर की जाएगी । **20**

(ब) सिविल मामलों के निपटारा करने में सी.पी.सी. की धारा 89 के तहत आनुकल्पिक विवाद संकल्प (ADR) की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए । **20**

(a) Differentiate between an ordinary suit and a summary suit. Explain the grounds on which leave to defend will be granted by the court in a summary suit.

(b) Explain the significance of Alternative Dispute Resolution (ADR) under S.89 of CPC in disposing of civil cases.

खण्ड – ब
SECTION – B

6. (अ) प्रथम इत्तिला रिपोर्ट क्या होती है और इसका साक्ष्यात्मक मूल्य क्या होता है ? **10**

(ब) वे कौन से मोटे-मोटे दिशा-निर्देश हैं जिन पर न्यायालय गैरजमानती मामलों में जमानत मंजूर करते समय विचार करते हैं ? **10**

(स) गिरफ्तार व्यक्ति के अधिकार क्या-क्या हैं ? **10**

(द) दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 में यथा सम्मिलित अभिवाक सौदेबाजी (Plea Bargaining) की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए । **10**

(a) What is First Information Report (FIR) and what is its evidentiary value ?

(b) What are the broad guidelines that the courts consider while granting bail in non-bailable cases ?

(c) What are the rights of an arrested person ?

(d) Explain the concept of 'Plea Bargaining' as incorporated in the Code of Criminal Procedure 1973.

7. (अ) अभियुक्त की अनुपस्थिति में जाँच और विचारण कब चल सकता है,समझाइए । **15**

(ब) संज्ञेय अपराध सम्बन्धी मामले में अन्वेषण हेतु प्रक्रिया का सविस्तार उल्लेख कीजिए । **15**

(स) मामलों (cases) और अपीलों का अन्तरण करने के लिए उच्चतम न्यायालय की शक्तियों की समीक्षात्मक जाँच कीजिए । **10**

(a) When can inquiry and trial be held in the absence of the accused ? Explain.

(b) Elaborate the procedure for investigation in a case relating to cognizable offence.

(c) Critically analyze the power of the Supreme Court to transfer cases and appeals.

8. निम्नलिखित को स्पष्ट कीजिए :

(अ) विशेषज्ञ की राय की सुसंगति । **10**

(ब) 'साबित', 'नासाबित', 'साबित नहीं हुआ' की व्याख्या कीजिए । **10**

(स) ऐसे मामले जिनमें दस्तावेजों से सम्बन्धित द्वितीयक साक्ष्य दिया जा सकेगा । **10**

(द) स्वीकृति की परिभाषा लिखिए । **10**

Explain the following :

(a) Relevancy of an Expert Opinion.

(b) Explain 'proved', 'disproved', 'not proved'.

(c) Cases in which secondary evidence relating to documents may be given.

(d) Define admission.

9. (अ) सहअपराधी कौन होता है ? इकबाली साक्षी (Approver) के साक्ष्य की विश्वसनीयता क्या है ? क्या इसके लिए परिपुष्टि आवश्यक है । निर्णीत मामलों की सहायता से व्याख्या कीजिए । **20**

(ब) किसी साक्षी को पक्षद्रोही कब कहा जा सकता है ? क्या ऐसे साक्षी द्वारा दिया गया साक्ष्य सुसंगत तथा स्वीकार्य माना जाता है ? **20**

(a) Who is an Accomplice ? What is the credibility of approver's testimony ? Does it require any corroboration ? Discuss with the help of decided cases.

(b) When is a witness said to have turned hostile ? Whether the evidence given by such a witness is considered relevant and admissible ?

10. (अ) क्या मृत्युकालीन कथन के एक मात्र साक्ष्य को दोषसिद्धि का आधार बनाया जा सकता है या नहीं ? **20**

(ब) कौन साक्ष्य दे सकता है ? क्या किसी मूक व्यक्ति को सक्षम साक्षी माना जा सकता है ? **20**

(a) Whether the sole testimony of the dying declaration can be made the basis of conviction or not ?

(b) Who may testify ? Whether a dumb person can be considered a competent witness ?

No. of Printed Pages : 7

MCD-05

2011

विधि-III

(राजस्व और दण्डविधान)

LAW-III

(Revenue and Criminal)

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 200*

Time allowed : Three Hours] *[Maximum Marks : 200*

*नोट : अभ्यर्थी कुल **छह (6)** प्रश्नों का उत्तर दें, जिनमें **खण्ड 'अ'** से प्रश्न संख्या 1 तथा अन्य कोई **दो** प्रश्न तथा **खण्ड 'ब'** से प्रश्न संख्या 6 तथा अन्य कोई **दो** प्रश्न हों । प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके अन्त में दिये गये हैं ।*

*Notes : Candidate should answer **six** questions in all, out of which they should answer Question No. 1 and any other **two** questions from **Group 'A'**, and question No. 6 and any other **two** questions from **Group 'B'**. Marks carried by each question has been indicated at its end.*

खण्ड – अ
GROUP – A

1. (अ) "जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम, 1950 भूमि के असाम्यिक वितरण को न्यूनीकृत करके सामाजिक समानता की प्राप्ति करना चाहता है ।" उक्त कथन का परीक्षण कीजिए । **20**

(ब) जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम, 1950 के तहत उत्तराखण्ड में किसी पुरुष भूमिधर की मृत्यु के उपरान्त उसकी भू-सम्पत्ति के उत्तराधिकार के सामान्य क्रम का वर्णन कीजिए । **10**

(स) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10**

(i) ग्राम पंचायत

(ii) अबवाब

(iii) माफ़ीदार

(a) "Zamindari Abolition and Land Reforms Act, 1950 aims to achieve social equality by minimizing the iniquitous distribution of land." Examine the above statement.

(b) Discuss the general order of succession, under the Zamindari Abolition and Land Reforms Act, 1950, of the holdings of a bhumidhar in Uttarakhand following his death.

(c) Write short notes on any **two** of the following :

(i) Gram Panchayat

(ii) Cess

(iii) Muafidar

2. (अ) राज्य में आस्थानों को निहित करने के प्रभावों का वर्णन कीजिए । **15**

(ब) कतिपय न्यायिक प्राधिकारपूर्ण निर्णयों के आलोक में इमारत की संकल्पना का वर्णन कीजिए । क्या चबूतरा एक इमारत है ? **15**

(a) Discuss the consequences of vesting of estates in the State.

(b) Discuss the concept of buildings in the light of some judicial pronouncements. Is chabutara a building ?

3. (अ) जमींदारी उन्मूलन के उपरान्त मध्यवर्तियों के शेष अधिकार क्या थे ? समझाइए । **10**

(ब) भूमिधर से क्या तात्पर्य है ? जमींदारी उन्मूलन के चलते भूमिधर बनने वाले लोगों की विभिन्न श्रेणियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए । इस सन्दर्भ में वर्तमान स्थिति क्या है ? **10**

(स) "वर्तमान में जोतदारों की सिर्फ़ तीन श्रेणियाँ हैं ।" जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम, 1950 के संगत प्रावधानों का सन्दर्भ देते हुए उक्त कथन की सत्यता का परीक्षण कीजिए । **10**

(a) What were the rights that remained with the intermediaries following the Zamindari abolition ? Elaborate.

(b) What is meant by a bhumidhar ? Present a brief detail of various classes of people who became bhumidhar in the wake of Zamindari abolition. What is the current position ?

(c) "Presently, there are only three categories of tenure holders." Examine the veracity of the above statement referring relevant provisions of Zamindari Abolition and Land Reforms Act, 1950.

4. (अ) जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम, 1950 के अन्तर्गत पुनर्वास अनुदान हेतु अर्ह व्यक्ति कौन से हैं ? उक्त अनुदान की गणना कैसे की जाती है ? **15**

(ब) जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम, 1950 की प्रथम अनुसूची के निम्नलिखित अंश पर ध्यान दीजिए :

क्रम संख्या	मध्यवर्ती (जमींदार) की हैसियत	शुद्ध आय का गुना
1.	₹ 25 तक का मालगुजार	20
2.	₹ 25 से ऊपर – ₹ 50 तक का मालगुजार	17
3.	₹ 50 से ऊपर – ₹ 100 तक का मालगुजार	14

उपरिलिखित सारणी के आधार पर उस जमींदार को प्राप्त होने वाले पुनर्वास अनुदान की गणना कीजिए जिसकी शुद्ध आय ₹ 104 (एक सौ चार) है और जो ₹ 26 (छब्बीस) वार्षिक मालगुज़ारी देता है । **15**

(a) Who are the persons entitled for rehabilitation grant under the Zamindari Abolition and Land Reforms Act, 1950 ? How is such a grant calculated ?

(b) Consider the following portion of the Schedule I to the Zamindari Abolition and Land Reforms Act, 1950 :

Sr. No.	Status of Intermediary (Zamindar)	Multiple for calculating grant
1.	Paying annual land revenue up to ₹ 25	20
2.	Paying annual land revenue exceeding ₹ 25 but not ₹ 50.	17
3.	Paying annual land revenue exceeding ₹ 50 but not ₹ 100.	14

On the basis of the table given above, calculate the rehabilitation grant payable to a zamindar whose net assets are ₹ 104 (one hundred and four) and who pays an annual land revenue of ₹ 26 (twenty six).

5. (अ) जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम, 1950 के तहत एक अतिक्रमणी को कैसे बेदखल किया जा सकता है ? संगत प्रावधानों के आलोक में उत्तर दीजिए । 10

(ब) भू राजस्व के निर्धारण की प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण दीजिए । 10

(स) भू राजस्व के बकाये की वसूली की प्रक्रिया का संक्षेप में वर्णन कीजिए । 10

(a) How can a trespasser be ejected under Zamindari Abolition and Land Reforms Act, 1950 ? Answer in the light of relevant provisions.

(b) Give a brief account of the process to determine land revenue.

(c) Briefly discuss the process for recovery of arrears of land revenue.

खण्ड – ब

GROUP – B

6. (अ) सामान्य आशय को अग्रसर करने हेतु कई व्यक्तियों द्वारा किये गये कार्य का आपराधिक दायित्व सुनिश्चित करने में अदालतें ऐसा मानती हैं कि "जो खड़े रहते हैं और प्रतीक्षा करते हैं वे भी सेवा करते हैं ।" कतिपय महत्त्वपूर्ण निर्णयों को सन्दर्भित करते हुए व्याख्या करें । 20

(ब) ऐसे कृत्य हेतु आवश्यकता के बचाव का वर्णन कीजिए जो अन्यथा एक अपराध रहा होता । 10

(स) 'क' जो पोत 'अ' का कप्तान है, ऐसी स्थिति में आ गया है जहाँ अपने पोत को बचाने के लिए, पोत 'ब' जिस पर 10 व्यक्ति सवार हैं या पोत 'स' जिस पर 3 व्यक्ति सवार हैं, में से एक को डुबोना पड़ेगा । 'क' पोत 'ब' को डुबो देता है ताकि पोतों 'अ' और 'स' के यात्री बच जायें । क्या 'क' आवश्यकता के बचाव का लाभ ले सकता है ? 10

(a) While fixing criminal liability for an act done in furtherance of common intention, courts consider that "they also serve who only stand and wait." Explain referring some important judgements.

(b) Discuss necessity as a defence for an act which otherwise would have been a crime.

(c) X, the captain of vessel 'A' finds himself in a situation where he has to run down either a vessel 'B' with 10 passengers or vessel 'C' with 3 passengers on board . 'X' runs down vessel 'B' to save vessels 'A' and 'C'. Can 'A' avail the benefit of the defence of necessity ?

7. (अ) निज प्रतिरक्षा के अधिकार का क्या अर्थ है ? निज प्रतिरक्षा में क्या कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति की जान तक ले सकता है ? संगत प्रावधानों के आलोक में उत्तर दें । 15

(ब) 'अ', 'ब' से कहता है, "मैं तुम्हें कल गोली मार दूँगा ।" दूसरे दिन 'ब' एक पिस्तौल लेकर प्रतीक्षा करता है और 'अ' को देखते ही गोली मार देता है । 'अ' की मृत्यु हो जाती है । क्या 'ब' निज प्रतिरक्षा के बचाव का सफलतापूर्वक इस्तेमाल कर सकता है ? 15

(a) What is meant by right to private defence ? Can somebody while exercising his right to private defence, even kill some other person ? Answer in the light of relevant provisions.

(b) 'A' says to 'B', "I shall shoot you tomorrow." Next day 'B' waits with a pistol and as soon as he sees 'A', he shoots 'A'. 'A' dies. Can 'B' successfully utilize his plea of right to self defence ?

8. (अ) आपराधिक षड्यंत्र को परिभाषित कीजिए । 'अ' और 'ब' पर आपराधिक षड्यंत्र का आरोप है । 'अ' इस आरोप से बरी कर दिया जाता है । 'ब' के आपराधिक दायित्व का निर्धारण कीजिए । 15

(ब) विधि विरुद्ध जमाव से आप क्या समझते हैं ? विधि विरुद्ध जमाव के आवश्यक तत्त्वों का विश्लेषण करते हुए बताइए कि क्या कोई विधि सम्मत जमाव विधि विरुद्ध जमाव में परिवर्तित हो सकता है । 15

(a) Define criminal conspiracy. 'A' and 'B' have been charged with criminal conspiracy. 'A' is acquitted. Fix the criminal liability of 'B'.

(b) What do you understand by unlawful assembly ? Analysing essential elements of unlawful assembly, state whether a lawful assembly may change into an unlawful one.

9. (अ) राजद्रोह क्या है ? अपराध के रूप में राजद्रोह के आवश्यक तत्त्वों की व्याख्या कीजिए । **10**

(ब) 'अ' एक रैली को संबोधित करते हुए कहता है, "यह भ्रष्ट लोगों की सरकार है । जाओ, इनके घरों को जला दो और इनकी हत्या कर दो ताकि देश से भ्रष्टाचार समूल नष्ट हो जाय ।" 'अ' ने क्या कोई अपराध किया है ? **10**

(स) 'य' एक चुनावी सभा में कहता है, "यह भ्रष्टाचार में आकण्ठ डूबे लोगों की सरकार है । इन्हें चुनाव में करारा जवाब दीजिए ।" 'य' ने क्या कोई अपराध किया है ? **10**

(a) What is sedition ? Explain essential ingredients of sedition as a crime.

(b) 'A' while addressing a rally, says, "This is the government of corrupt people. Go, torch their houses, and kill them so that corruption is uprooted in this country." Has 'A' committed a crime ?

(c) 'X' says at an electoral meeting, " This is a government of persons neck deep in corruption. Give them a befitting reply at the hustings." Has 'X' committed a crime ?

10. (अ) सदोष अवरोध और सदोष परिरोध में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

'अ', 'ब' को एक कमरे में ले जाकर बैठाता है और उससे उस कमरे से बाहर न जाने की धमकी देकर वापस चला जाता है । 'ब' के पास भाग जाने का पर्याप्त अवसर है परन्तु वह डर के मारे उसी जगह बैठा रहता है । 'अ' को क्या किसी अपराध का दोषी माना जा सकता है ? **10**

(ब) उपहति और घोर उपहति में अन्तर स्पष्ट कीजिए । 'अ' ने एक महिला 'म' की नथनी छीन ली । संयोगवश 'म' की नाक कट गयी और इसी के चलते 'म' मर गयी ।

'अ' द्वारा कृत अपराध समझाइए । **10**

(स) व्यपहरण और अपहरण में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

'अ' ने एक पन्द्रह वर्षीया बालिका 'र' को उसके संरक्षक को बिना बताए एक सप्ताह तक अपने पास रखा । इस अवधि के उपरान्त 'अ' ने 'र' को उसके संरक्षक को सौंप दिया ।

'अ' द्वारा कृत अपराध की प्रकृति स्पष्ट कीजिए । **10**

(a) Distinguish between wrongful restraint and wrongful confinement.

'A' gets 'B' seated in a room and, having threatened him not to go out of the room, goes back. 'B' has enough opportunity to escape, but out of fear he keeps sitting there. Can 'A' be charged of some crime ?

(b) Distinguish between 'hurt' and 'grievous hurt'. 'A' snatched the nose-ring of a lady 'M'. Nose of 'M' incidentally got severed as a result of which 'M' died. Explain the crime committed by 'A'.

(c) Distinguish between kidnapping and abduction.

'A', without telling her guardian, kept with him 'R', a girl 15 years of age for a week. After this period 'A' gave 'R" back to her guardian.

Explain the nature of crime committed by 'A'.